वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय

जौनपुर, उत्तर प्रदेश

समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

दिनांक: 06 सितम्बर 2026

प्रस्तुति: मीडिया सेल

राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण : प्रो.राकेश कुमार सिंह

पीयू में शिक्षक दिवस पर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण



जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक अतिथि गृह परिसर स्थित भारत के महान शिक्षाविद, दार्शनिक एवं पूर्व राष्ट्रपति भारतरत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र के भविष्य के निर्माता होते हैं। शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, चरित्र और चेतना के निर्माण की प्रक्रिया भी है। उन्होंने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन का जीवन और दर्शन शिक्षकों को विद्यार्थियों में संस्कार, विवेक और नैतिक मूल्यों के विकास की प्रेरणा देता है।

कुलपति ने कहा कि तकनीकी युग में शिक्षक की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक सूचनाएं उपलब्ध करा सकती हैं, लेकिन संवेदनशीलता, मानवीय मूल्यों और विवेक का विकास शिक्षक के मार्गदर्शन से ही संभव है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के मानविकी, फार्मेसी, प्रबंध अध्ययन संकाय, रज्जू भैया शोध संस्थान और इंजीनियरिंग संस्थान समेत विभिन्न विभागों में भी शिक्षक दिवस मनाया गया।

कुलसचिव ने भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु के महत्व पर प्रकाश डाला। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी का संबंध केवल कक्षा तक सीमित नहीं होता, बल्कि शिक्षक मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत की भूमिका भी निभाते हैं। इस अवसर पर प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. रसिकेश, डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. मनोज कुमार पांडेय, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. नीरज अवस्थी, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. पुनीत धवन, गुलाब मौर्य, जितेंद्र पांडेय, राधेश्याम सिंह, शीलनिधि सिंह, उत्कर्ष सिंह सहित शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जौनपुर धारा

राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका महत्वपूण : कुलपति

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक अतिथि गृह परिसर स्थित भारत के महान शिक्षाविद्, दार्शनिक एवं पूर्व राष्ट्रपति भारतरत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि ह्लशिक्षक ही राष्ट्र के भविष्य निमार्ता होते हैं। शिक्षा केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, चरित्र और चेतना के निर्माण की सबसे प्रभावी प्रक्रिया है।ह्व उन्होंने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन और दर्शन हमें यह संदेश देता है कि एक श्रेष्ठ शिक्षक विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि उन्हें संस्कार, विवेक, नैतिक मूल्यों और जीवन की सही दिशा से भी जोड़ता है। कुलपति ने कहा कि वर्तमान तकनीकी युग में शिक्षक की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं डिजिटल तकनीक सूचना उपलब्ध करा सकती हैं, किंतु संवेदनशीलता, नैतिकता, मानवीय मूल्यों और विवेक का विकास केवल शिक्षक ही कर सकता है। कुलसचिव ने शिक्षक दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु का स्थान सदैव सर्वोच्च रहा है।

राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्णः कुलपति



जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक अतिथि गृह परिसर स्थित भारत के महान शिक्षाविद्, दार्शनिक एवं पूर्व राष्ट्रपति भारतरत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र के भविष्य निमार्ता होते हैं। शिक्षा केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, चरित्र और चेतना के निर्माण की सबसे प्रभावी प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन और दर्शन हमें यह संदेश देता है कि एक श्रेष्ठ शिक्षक विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि उन्हें संस्कार, विवेक, नैतिक मूल्यों और जीवन की सही दिशा से भी जोड़ता है। कुलपति ने कहा कि वर्तमान तकनीकी युग में शिक्षक की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं डिजिटल तकनीक सूचना उपलब्ध करा सकती हैं, किंतु संवेदनशीलता, नैतिकता, मानवीय मूल्यों और विवेक का विकास केवल शिक्षक ही कर सकता है। कुलसचिव ने शिक्षक दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु का स्थान सदैव सर्वोच्च रहा है। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी का संबंध केवल कक्षा तक सीमित नहीं होता, बल्कि शिक्षक विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक, प्रेरणास्रोत तथा अनेक अवसरों पर अभिभावक की भूमिका भी निभाता है। प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. रसिकेश, डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. मनोज कुमार पांडेय, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. नीरज अवस्थी, शीलनिधि सिंह, उत्कर्ष सिंह सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण

बोले: प्रो. राकेश कुमार सिंह

पीयू में शिक्षक दिवस पर डॉ. राधाकृष्णन की प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक अतिथि गृह परिसर स्थित भारत के महान शिक्षाविद्, दार्शनिक एवं पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र के भविष्य निर्माता होते हैं। शिक्षा केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, चरित्र और चेतना के निर्माण की सबसे प्रभावी प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन और दर्शन हमें यह संदेश देता है कि एक श्रेष्ठ शिक्षक विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि उन्हें संस्कार, विवेक, नैतिक मूल्यों और जीवन की सही दिशा से भी जोड़ता है। कुलपति ने कहा कि वर्तमान तकनीकी युग में शिक्षक की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के मानविकी, फार्मेसी, प्रबंध अध्ययन संकाय, रज्जू भैया शोध संस्थान, इंजीनियरिंग संस्थान समेत कई विभागों में भी शिक्षक दिवस मनाया गया। कुलसचिव ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु का स्थान सदैव सर्वोच्च रहा है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी का संबंध केवल कक्षा तक सीमित नहीं होता, बल्कि शिक्षक विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक, प्रेरणास्रोत तथा अनेक अवसरों पर अभिभावक की भूमिका भी निभाता है। इस अवसर पर प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. रसिकेश, डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. मनोज कुमार पांडेय, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. नीरज अवस्थी, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. पुनीत धवन, गुलाब मौर्य, जितेंद्र पांडेय, राधेश्याम सिंह, शीलनिधि सिंह, उत्कर्ष सिंह सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण: कुलपति

शिक्षक दिवस

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस पर डॉ. राधाकृष्णन की प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण

तेजस टूडे सं.
विरेन्द्र यादव



सरायख्वाजा, जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस पर शिक्षक अतिथि गृह परिसर स्थित भारत के महान शिक्षाविद्, दार्शनिक एवं पूर्व राष्ट्रपति भारतरत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया।

इस मौके पर कुलपति प्रो. राकेश सिंह ने कहा कि ह्लशिक्षक ही राष्ट्र के भविष्य निमार्ता होते हैं। शिक्षा केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, चरित्र और चेतना के निर्माण की सबसे प्रभावी प्रक्रिया है ह्व डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन और दर्शन हमें यह संदेश देता है कि एक श्रेष्ठ शिक्षक विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि उन्हें संस्कार, विवेक, नैतिक मूल्यों और जीवन की सही दिशा से भी जोड़ता है।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय के मानविकी, फामेर्सी, प्रबंध अध्ययन संकाय, रज्जू भैया शोध संस्थान, इंजीनियरिंग संस्थान समेत कई विभागों में भी शिक्षक दिवस मनाया गया। कुलसचिव ने शिक्षक दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु का स्थान सदैव सर्वोच्च रहा है। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद यादव ने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी का संबंध केवल कक्षा तक सीमित नहीं होता, बल्कि शिक्षक विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक, प्रेरणास्रोत तथा अनेक अवसरों पर अभिभावक की भूमिका भी निभाता है।

इस अवसर पर प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. रसिकेश, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. मनोज पांडेय, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. नीरज अवस्थी, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ पुनीत धवन, गुलाब मौर्य, जितेंद्र पांडेय, राधेश्याम सिंह, शीलनिधि सिंह, उत्कर्ष सिंह सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

तेजस टूडे

जौनपुर

राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण - प्रो. राकेश कुमार

पीयू में शिक्षक दिवस पर डा. राधाकृष्णन की प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक अतिथि गृह परिसर स्थित भारत के महान शिक्षाविद्, दार्शनिक एवं पूर्व राष्ट्रपति भारतरत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र के भविष्य निर्माता होते हैं। शिक्षा केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, चरित्र और चेतना के निर्माण की सबसे प्रभावी प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन और दर्शन हमें यह संदेश देता है कि एक श्रेष्ठ शिक्षक विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि उन्हें संस्कार, विवेक, नैतिक मूल्यों और जीवन की सही दिशा से भी जोड़ता है। कुलपति ने कहा कि वर्तमान तकनीकी युग में शिक्षक की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं डिजिटल तकनीक सूचना उपलब्ध करा सकती हैं, किंतु संवेदनशीलता, नैतिकता, मानवीय मूल्यों और विवेक का विकास केवल शिक्षक ही कर सकता है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के मानविकी, फार्मेसी, प्रबंध अध्ययन संकाय, रज्जू भैया शोध संस्थान, इंजीनियरिंग संस्थान समेत कई विभागों में भी शिक्षक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कुलसचिव ने शिक्षक दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु का स्थान सदैव सर्वोच्च रहा है। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी का संबंध केवल कक्षा तक सीमित नहीं होता, बल्कि शिक्षक विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक, प्रेरणास्रोत तथा अनेक अवसरों पर अभिभावक की भूमिका भी निभाता है।



इस अवसर पर प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. रसिकेश, डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. मनोज कुमार पांडेय, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. पुनीत धवन, गुलाब मौर्य, जितेंद्र पांडेय, राधेश्याम सिंह, शीलनिधि सिंह, उत्कर्ष सिंह सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

उत्साहवर्धन किया। जिलाधिकारी ने बच्ची को अपने लक्ष्य की दिशा में पूछा। छात्रा द्वारा बताया गया कि विद्यालय में सभी विषयों के शिक्षक बच्चों ने जिलाधिकारी के साथ संवाद के अनुभव को उत्साहवर्धक बताते हुए बच्चे एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

एकजुटता और निरंतर कर्म से लक्ष्य की प्राप्ति : कुलपति

जन्माष्टमी पर छात्रावास में दही-हांडी कार्यक्रम

अमर भारती ब्यूरो

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के श्रीनिवास रामानुजन अनुसंधान भवन छात्रावास में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर दही-हांडी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि दही-हांडी फोड़ने में पूरी टीम की एकजुटता और सहयोग की आवश्यकता होती है। इसी प्रकार जीवन में भी मिलकर प्रयास करने से लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, एकजुटता और लक्ष्य के प्रति समर्पण के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। भगवान श्रीकृष्ण के कर्मयोग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का वर्तमान कर्म पढ़ाई, ज्ञानार्जन और व्यक्तित्व विकास है।



उन्हें फल की चिंता किए बिना पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि समय जीवन की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी है, इसलिए इसका सदुपयोग करते हुए विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं, योग्य शिक्षक, प्रयोगशालाएं तथा अध्ययन-अनुसंधान के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध करा रहा है। विद्यार्थियों को इनका अधिकतम उपयोग कर अपने भविष्य को बेहतर बनाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय का भविष्य बताते हुए कहा कि उनकी सफलता के साथ विश्वविद्यालय का नाम भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, चीफ वार्डन प्रोफेसर अविनाश , छात्रावास वार्डन डॉ. सुशील कुमार सहित शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने दही-हांडी के साथ भक्ति गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

आंखों पर पट्टी बांधकर बंटी पटेल ने फोड़ी मटकी जन्माष्टमी पर दिखाया उत्साह और हुनर



जौनपुर (मुंगरा बादशाहपुर)। क्षेत्र के ग्राम सोहासा में शुक्रवार, 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मटकी फोड़ कार्यक्रम का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चों एवं बच्चियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान बंटी पटेल ने आंखों पर पट्टी बांधकर मटकी फोड़ने का अद्भुत प्रदर्शन किया। बंटी ने बेहद सूझबूझ और आत्मविश्वास के साथ मटकी की दिशा का अंदाजा लगाते हुए उसे फोड़ दिया। उनका प्रदर्शन देखकर मौके पर मौजूद लोग हैरान रह गए। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो बंटी अपनी अंदरूनी आंखों से मटकी को देख रहे हों।मटकी फूटते ही कार्यक्रम स्थल तालियों और जयकारों से गूंज उठा। बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। जन्माष्टमी के इस आयोजन ने ग्रामीणों में आपसी भाईचारे और धार्मिक उत्साह का माहौल बना दिया।

अमर भारती

राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण : कुलपति

लोकभारती न्यूज ब्यूरो



जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक अतिथि गृह परिसर स्थित भारत के महान शिक्षाविद, दार्शनिक एवं पूर्व राष्ट्रपति भारतरत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र के भविष्य निर्माता होते हैं। शिक्षा केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, चरित्र और चेतना के निर्माण की सबसे प्रभावी प्रक्रिया है।

उन्होंने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन और दर्शन हमें यह संदेश देता है कि एक श्रेष्ठ शिक्षक विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि उन्हें संस्कार, विवेक, नैतिक मूल्यों और जीवन की सही दिशा से भी जोड़ता है। कुलपति ने कहा कि वर्तमान तकनीकी युग में शिक्षक की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं डिजिटल तकनीक सूचना उपलब्ध करा सकती हैं, किंतु संवेदनशीलता, नैतिकता, मानवीय मूल्यों और विवेक का विकास केवल शिक्षक ही कर सकता है।

कुलसचिव ने शिक्षक दिवस को महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु का स्थान सदैव सर्वोच्च रहा है। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी का संबंध केवल कक्षा तक सीमित नहीं होता, बल्कि शिक्षक विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक, प्रेरणास्रोत तथा अनेक अवसरों पर अभिभावक की भूमिका भी निभाता है। प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. रसिकेश, डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. मनोज कुमार पांडेय, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. नीरज अवस्थी, शीलनिधि सिंह, उत्कर्ष सिंह सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गुरु ही शिष्य के जीवन को देता है सही दिशा

लोकभारती न्यूज ब्यूरो



जौनपुर। शहर के एक में शनिवार को देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन एवं शिक्षक दिवस के अवसर पर गुरु श्रेष्ठ सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्यमंत्री खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव ने करीब 300 सेवानिवृत्त गुरुजनों को सम्मानित किया। राज्यमंत्री ने प्रत्येक शिक्षक को स्मृतिचिह्न एवं अंगवस्त्रम भेंट किया ।

राज्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा कभी समाप्त नहीं होती। गुरु का महत्व जीवन के प्रत्येक चरण में बना रहता है। गुरु ही वह व्यक्ति है, जो अपने शिष्य को ज्ञान देने के साथ उसके व्यक्तित्व और भविष्य को दिशा प्रदान करता है। गुरुजनों से प्राप्त शिक्षा के माध्यम से ही व्यक्ति समाज और देश के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं देने के योग्य बनता है।

गुरु और विद्यार्थी के संबंध को समझाते हुए कहा कि बच्चा जब मां के गर्भ में रहता है और जन्म के बाद लगभग पांच वर्ष की आयु तक उसका मस्तिष्क कोरे कागज की तरह होता है।

माता-पिता अपने बच्चे के भविष्य की आधारशिला जरूर रखते हैं, लेकिन जब बच्चा प्राथमिक विद्यालय में प्रवेश करता है, तब उसके व्यक्तित्व पर गुरुजनों के ज्ञान और संस्कारों की छाप पड़नी शुरू होती है। समारोह में विभिन्न शिक्षण संस्थानों से जुड़े वरिष्ठ एवं सेवानिवृत्त शिक्षक भी मौजूद रहे।

मंच पर पूर्व माध्यमिक विद्यालय नदियापुर हरदीपुर के अध्यापक पं. त्रिवेणी प्रसाद पाण्डेय, तिलकधारी महाविद्यालय के गणित शिक्षक डॉ. आरपी सिंह, श्रीरामजानकी दिनकर बालिका इंटर कॉलेज जमालापुर की पूर्व प्रधानाचार्य श्रीमती उर्मिला सिंह, पीएम श्री विद्यालय जमालापुर के पूर्व प्रधानाध्यापक आनंद कुमार मौर्य, जनार्दन प्रसाद अस्थाना, लहुरी राम, पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह और चेयरमैन श्रीमती मनोरमा मौर्या की भी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहकारी पीजी कॉलेज मिहरांवा के पूर्व प्राचार्य डॉ. सत्येंद्र प्रताप सिंह ने की, जबकि संचालन संतोष त्रिपाठी ने किया।

News in Brief

Health Check-up Conducted for 130 Teachers, Employees and Students

Jaunpur: A free health check-up and consultation camp on "Management and Prevention of Lifestyle Diseases" was organised at Veer Bahadur Singh Purvanchal University under the joint aegis of the University Health Centre and the Dean of Student Welfare. A total of 130 people, including university teachers, officers, employees, students and their family members, underwent health check-ups at the camp.



On the occasion, Vice-Chancellor Prof Rakesh Kumar Singh said that a healthy body and a healthy mind are the foundation of an individual's efficiency and quality of life. He said that changing lifestyles have led to a rapid rise in problems such as unhealthy eating habits, physical inactivity and stress.

He emphasised that identifying health risks at an early stage and making necessary changes in daily routines was more important than merely treating diseases after they occur. He said many diseases could be prevented in time through regular health check-ups, a balanced diet, exercise and a disciplined lifestyle. He called upon members of the university community to undergo regular health check-ups and remain conscious of their health. Registrar Dr Vinod Kumar Singh, Prof Pramod Yadav, Prof Ajay Dwivedi, Dr Shashikant Yadav, Dr Digvijay Singh and others were present.

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस मना





- डॉ. राधाकृष्णन को नमन कुलपति बोले- शिक्षक ही राष्ट्र के भविष्य निमार्ता होते हैं

भारत एकता टाइम्स/ जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शनिवार को शिक्षक दिवस मनाया गया। इस मौके पर शिक्षक अतिथि गृह परिसर में भारत के महान शिक्षाविद्, दार्शनिक और पूर्व राष्ट्रपति भारतरत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र के भविष्य निमार्ता होते हैं। शिक्षा सिर्फ ज्ञान पाने का जरिया नहीं है, बल्कि व्यक्तित्व, चरित्र और चेतना के निर्माण का सबसे असरदार तरीका है। उन्होंने बताया कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन और दर्शन हमें यह संदेश देता है कि एक श्रेष्ठ शिक्षक विद्यार्थियों को सिर्फ किताबी ज्ञान ही नहीं देता। वह उन्हें संस्कार, विवेक, नैतिक मूल्यों और जीवन की सही दिशा से भी जोड़ता है। कुलपति ने आगे कहा कि आज के तकनीकी युग में शिक्षक की भूमिका और भी अहम हो गई है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल तकनीक जानकारी तो दे सकती हैं, लेकिन संवेदनशीलता, नैतिकता, मानवीय मूल्यों और विवेक का विकास सिर्फ शिक्षक ही कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के मानविकी, फामेर्सी, प्रबंध अध्ययन संकाय, रज्जू भैया शोध संस्थान और इंजीनियरिंग संस्थान समेत कई विभागों में भी शिक्षक दिवस मनाया गया। इस मौके पर कुलसचिव ने शिक्षक दिवस की अहमियत बताई और कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु का स्थान हमेशा सबसे ऊपर रहा है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी का संबंध सिर्फ कक्षा तक ही नहीं रहता। शिक्षक विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक, प्रेरणास्रोत और कई बार अभिभावक का रोल भी निभाते हैं। इस कार्यक्रम में प्रो. अजय प्रताप सिंह,अधिकारी, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

भारत एकता टाइम्स

राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्णः प्रो राकेश कुमार सिंह

पीयू में शिक्षक दिवस पर डॉ. राधाकृष्णन की प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण

.कौटिल्य का भारत

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक अतिथि गृह परिसर स्थित भारत के महान शिक्षाविद्, दार्शनिक एवं पूर्व राष्ट्रपति भारतरत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि "शिक्षक ही राष्ट्र के भविष्य निर्माता होते हैं। शिक्षा केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, चरित्र और चेतना के निर्माण की सबसे प्रभावी प्रक्रिया है।" उन्होंने कहा कि डॉ.



सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन और दर्शन हमें यह संदेश देता है कि एक श्रेष्ठ शिक्षक विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि उन्हें संस्कार, विवेक, नैतिक मूल्यों और जीवन की सही दिशा से भी जोड़ता है। कुलपति ने कहा कि वर्तमान तकनीकी युग में शिक्षक की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं डिजिटल तकनीक सूचना उपलब्ध करा सकती हैं, किंतु संवेदनशीलता, नैतिकता, मानवीय मूल्यों और विवेक का विकास केवल शिक्षक ही कर सकता है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के मानविकी, फार्मेसी, प्रबंध अध्ययन संकाय, रज्जू भैया शोध संस्थान, इंजीनियरिंग संस्थान समेत कई विभागों में भी शिक्षक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कुलसचिव ने शिक्षक दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु का स्थान सदैव सर्वोच्च रहा है। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी का संबंध केवल कक्षा तक सीमित नहीं होता, बल्कि शिक्षक विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक, प्रेरणास्रोत तथा अनेक अवसरों पर अभिभावक की भूमिका भी निभाता है। इस अवसर पर प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. रसिकेश, डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. मनोज कुमार पांडेय, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ पुनीत धवन, गुलाब मौर्य, जितेंद्र पांडेय, राधेश्याम सिंह, शीलनिधि सिंह, उत्कर्ष सिंह सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कौटिल्य का भारत

राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्णः प्रो राकेश कुमार सिंह

पीयू में शिक्षक दिवस पर डॉ. राधाकृष्णन की प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण

स्वतंत्र एकता जागरण



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक अतिथि गृह परिसर स्थित भारत के महान शिक्षाविद्, दार्शनिक एवं पूर्व राष्ट्रपति भारतरत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि "शिक्षक ही राष्ट्र के भविष्य निर्माता होते हैं। शिक्षा केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, चरित्र और चेतना के निर्माण की सबसे प्रभावी प्रक्रिया है।" उन्होंने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन और दर्शन हमें यह संदेश देता है कि एक श्रेष्ठ शिक्षक विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि उन्हें संस्कार, विवेक, नैतिक मूल्यों और जीवन की सही दिशा से भी जोड़ता है। कुलपति ने कहा कि वर्तमान तकनीकी युग में शिक्षक की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं डिजिटल तकनीक सूचना उपलब्ध करा सकती हैं, किंतु संवेदनशीलता, नैतिकता, मानवीय मूल्यों और विवेक का विकास केवल शिक्षक ही कर सकता है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के मानविकी, फार्मेसी, प्रबंध अध्ययन संकाय, रज्जू भैया शोध संस्थान, इंजीनियरिंग संस्थान समेत कई विभागों में भी शिक्षक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कुलसचिव ने शिक्षक दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु का स्थान सदैव सर्वोच्च रहा है। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी का संबंध केवल कक्षा तक सीमित नहीं होता, बल्कि शिक्षक विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक, प्रेरणास्रोत तथा अनेक अवसरों पर अभिभावक की भूमिका भी निभाता है। इस अवसर पर प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. रसिकेश, डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. मनोज कुमार पांडेय, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ पुनीत धवन, गुलाब मौर्य, जितेंद्र पांडेय, राधेश्याम सिंह, शीलनिधि सिंह, उत्कर्ष सिंह सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

स्वतंत्र एकता जागरण